Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 18 , शनिवार, 10 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

मेट्रो के बढ़े किराए के खिलाफ डीयू छात्रों का मार्च

नई दिल्ली। दिल्ली विविद्यालय के छात्रों ने मेट्रो रेल के बढ़े किराए की वापसी को लेकर बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री कार्यालय तक कूच करने का प्रयास किया लेकिन शास्त्री भवन के पास ही प्रदर्शनकारियों को रोक लिया गया। छात्रों ने इस मौके पर बेरिकेड्स तोड़ डाले और जमकर नारेबाजी की।छात्र संगठन आइसा के बैनर तले आयोजित प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहीं संगठन की डीयू इकाई की अध्यक्ष कंवलप्रीत कौर ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान पीएमओ में एक ज्ञापन दिया गया जहां अधिकारियों ने दस दिनों का समय दिया है। प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी भी की। कंवलप्रीत ने कहा कि बीते एक महीने से विविद्यालय के विद्यार्थी मेट्रो किराए में बढ़ोतरी को लेकर परेशान हैं। बीते दिनों विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री से मिलने के लिए विविद्यालय मेट्रो स्टेशन का घेराव किया था। विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री से भी मुलाकात की, लेकिन काम न बनने के चलते विद्यार्थियों ने पीएमओ का रुख करने का फैसला लिया था।

रोहिणी आश्रम: वीरेंद्र दीक्षित का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास करे सीबीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाईकोर्ट ने गुरुवार को सीबीआई को आदेश दिया है कि वह आध्यात्मिक बाबा होने का दावा करने वाले वीरेंद्र देव दीक्षित का हर हाल में पता लगाए। हाईकोर्ट ने सीबीआई को दीक्षित का पता लगाकर अगली सुनवाई पर उनकी पेशी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल व न्यायमूर्ति सी हरि शंकर की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 15 मार्च तय की है। इससे पहले सीबीआई ने पीठ को बताया कि दीक्षित का कोई अतापता नहीं चल रहा है। उसका पता लगाने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं। सीबीआई ने हाईकोर्ट में सोमवार को कहा था कि दीक्षित के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है। हाईकोर्ट ने रोहिणी स्थित दीक्षित के आश्रम को तत्काल प्रभाव से विश्वविद्यालय शब्द का इस्तेमाल बंद करने का आदेश भी दिया है। पीठ ने कहा कि आश्रम ने अपने नाम में विश्वविद्यालय शब्द का इस्तेमाल किया है जो कानून के अनुरूप नहीं है। कोर्ट ने कहा है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की मंजूरी के बगैर कोई भी संस्थान विश्वविद्यालय शब्द का इस्तेमाल नहीं कर सकता है। कोर्ट ने कहा है कि आश्रम के प्रमुख वीरेंद्र देव दीक्षित के खिलाफ याचिका में गंभीर आरोप लगाए गए हैं। आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के कामकाज में आपराधिक गतिविधियों के भी संकेत मिले हैं। लिहाजा विश्वविद्यालय शब्द का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। एक गैर सरकारी संगठन की ओर से इस बारे में याचिका दाखिल की गई थी।

टेस्ट रिजल्ट की समीक्षा करेगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कक्षा दस के 10 फरवरी तक हो रहे टेस्ट परिणाम की दिल्ली सरकार समीक्षा करेगी। प्री बोर्ड के खराब नतीजों के बाद सरकार के निर्देश पर सभी स्कूलों में 10 फरवरी तक दोबारा टेस्ट कराने के निर्देश दिए गए थे। इनके नतीजों के आधार पर दिल्ली सरकार कक्षा दस में छात्रों की तैयारी का पता करेगी। कक्षा दस के प्री बोर्ड नतीजों से दिल्ली सरकार हरकत में आ गई है। उप मुख्यमंत्री ने मामले में शिक्षा निदेशालय से पूरी रिपोर्ट तलब की है। प्री बोर्ड नतीजों में करीब तीस फीसदी छात्र ही पास हुए थे। इसके बाद सरकार ने 5 से 10 फरवरी तक दोबारा टेस्ट कराने का फैसला लिया। सबसे खराब रिजल्ट वाले स्कूलों का भी डाटा मांगा गया है।

किताब प्रेमियों को कश्मीरी गेट मेट्रो पर मिलेगा 'रीडिंग स्पेस'

नई दिल्ली। कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर पुस्तक प्रेमियों के लिए खास व्यवस्था की जाएगी। उन्हें पढ़ने के लिए जगह मुहैया कराई जाएगी। यहां वे अपनी मनपसंद पुस्तक पढ़ सकेंगे। साहित्य अकादमी ने मेट्रो प्रशासन से जगह उपलब्ध कराने की मांग की है। इसके अलावा, गुरुग्राम और नोएडा में किसी एक मेट्रो स्टेशन पर साहित्य अकादमी की किताबों की दुकान जल्द खोली जा सकती है। पठन-पाठन की आदतों को बढ़ावा देने के लिए साहित्य अकादमी ने दिल्ली मेट्रो के साथ मिलकर दो वर्ष पहले दो मेट्रो स्टेशनों पर किताबों की दुकान शुरू की थी। दिल्ली विश्वविद्यालय और कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर स्थापित दुकानों को युवाओं के बीच खासी लोकप्रियता मिली।

गुरुवार को भोपाल स्थित राज्य मंत्रालय (वल्लभ भवन) में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने क्रमशः नव-नियुक्त नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, श्रम राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं कृषि तथा किसान कल्याण राज्य मंत्री बालकृष्ण पाटीदार और आयुष एवं कुटीर ग्रामोद्योग (स्वतंत्र प्रभार) तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल को बधाई दी।

बेटे के लिए इच्छा मृत्यु की मांग कर रहे परिवार को डॉक्टरों से मिली मायूसी,

नई दिल्ली। दिल्ली आकर बेटे के लिए इच्छा मृत्यु मांगने वाले परिवार को एम्स के डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच में बताया कि उसका सामान्य होना मुश्किल है। क्योंकि वह ब्रेन डेड हो चुका है। हालांकि परिवार को एम्स के डॉक्टरों की तरफ से उसकी देखभाल का आश्वासन मिला है। शुक्रवार सुबह परिजन उसे लेकर एम्स पहुंचे, जहां उसका एम आर आई किया गया। हालांकि इसकी रिपोर्ट का डॉक्टर इंतज़ार कर रहे हैं। 6 साल के मासूम डेनिस स्टैनो के पिता एम डेनिस कुमार ने हिन्दुस्तान से हुई बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह एम्स में अपने बेटे को दिखाने के लिए गये थे, बुधवार को भी वह डॉक्टरों से मिले थे। डॉक्टरों ने तब उन्हें बताया कि हालांकि वह उसकी समय-समय पर फिजियोथैरेपी भी कराएंगे, वहीं जरूरत पड़ने पर उसके साथ एक व्यक्ति को भी रखेंगे। पिता एम डेनिस कुमार ने बताया कि वह चाहते हैं उनके बेटे को इलाज में जो भी डॉक्टर जिम्मेदार हैं, उन्हें सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कन्याकुमारी के मरठंडम स्थित विलियम हॉस्पिटल में जब उनके बेटे का जन्म हुआ था, तब वह बिल्कुल स्वस्थ था। हालांकि जन्म के बाद अस्पताल के गैर जिम्मेदाराना रवैये से पूरी तरह लाचार हो गया, वह न तो खुद उठ सकता है और न बैठ सकता है। अब तक वह वह पूरी तरह दृष्टि बाधित है। डेनिस कन्याकुमारी (तमिलनाडु) कुझीकोड के रहने वाले हैं।

»» आप के अयोग्य विधायकों ने हाईकोर्ट में दी सफाई

पद का कोई लाभ नहीं लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप के अयोग्य विधायकों ने बृहस्पतिवार को दिल्ली हाईकोर्ट में कहा कि उन्होंने संसदीय सचिवों के रूप में आधिकारिक वाहन सहित कोई पारिश्रमिक, मौद्रिक या किसी अन्य तरह का लाभ प्राप्त नहीं किया। अपनी अयोग्यता के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने वाले सभी 20 विधायकों ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना एवं न्यायमूर्ति चंद्रशेखर की पीठ से कहा कि चुनाव आयोग ने लाभ के पद संबंधी फैसला सुनाते वक्त इस पहलू पर विचार नहीं किया कि उन्होंने क्या लाभ अर्जित किया।

हाईकोर्ट में पहले आठ विधायकों ने अपनी अयोग्यता के खिलाफ याचिका दायर की थी जबकि बाकी के 12 विधायक बुधवार को अदालत की शरण में गए। हालांकि पीठ ने कहा कि किसी के लाभ के पद पर होने का निर्णायक

अगर कोई लाभ प्राप्त नहीं भी किया गया लेकिन अगर उस पद में मौद्रिक लाभ हासिल करने की क्षमता है तो इसे लाभ का पद माना जाएगा : कोर्ट

परीक्षण ''नियुक्ति की शक्ति' है। अदालत ने कहा,''बाकी चीजें बाद में आती हैं। ज्यादा जोर नियुक्ति की शक्ति पर है और अगर इसका इस्तेमाल होता है तो यह हितों का टकराव पैदा करती है।

'पीठ ने कहा कि इस बात पर भी विचार करने की जरूरत है कि वह पद लाभ कमाने की क्षमता रखता है या नहीं। अदालत ने कहा कि अगर कोई लाभ प्राप्त नहीं भी किया गया लेकिन अगर उस पद में मौद्रिक लाभ हासिल करने की क्षमता है तो इसे लाभ का पद माना जाएगा। अदालत ने कहा कि यह पता करने के लिए कि क्या पद में लाभ कमाने की क्षमता है तो नियुक्ति की शक्ति की जांच होनी चाहिए।

पीठ की टिप्पणियां और विधायकों की तरफ से दलीलें लाभ का पद रखने पर अयोग्य ठहराए जाने को चुनौती देने वाली विधायकों की याचिकाओं पर करीब तीन घंटे की सुनवाई के दौरान दी गईं। विधायकों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पारासरन ने कहा कि विधिनिर्माताओं द्वारा संसदीय सचिव रहते कोई मौद्रिक लाभ प्राप्त नहीं किया गया और आयोग ने उन्हें अयोग्य ठहराने की सिफारिश के फैसले पर पहुंचने तक महत्वपूर्ण सामग्रियों पर विचार नहीं किया।

उच्च न्यायालय ने इस मामले में आगे की दलीलों के लिए 12 फरवरी की तारीख तय की। अदालत ने बुधवार को विधायकों की अपीलों पर रोजाना सुनवाई का फैसला किया था।

»» 250 लेखक होंगे साहित्योत्सव में शामिल

राजधानी में साहित्यकारों का जमावड़ा सोमवार से

पहली बार इस्त्राइल के छह लेखकों का दल भी होगा शामिल साहित्य अकादमी सम्मान से नवाजे जाएंगे 24 लेखक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार से राजधानी में साहित्यकारों का जमावड़ा लगेगा। देश भर से आने वाले यह साहित्यकार आजादी के 70 वर्षों का साहित्य में किस तरह से चितग्रकिया गया है के बारे में अपनी-अपनी भाषा में विचार रखेंगे। यह सभी दिल्ली में 12-17 फरवरी तक चलने वाले साहित्योत्सव में शामिल होंगे। यह जानकारी बृहस्पतिवार को यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने दी। उन्होंने बताया कि पहली बार साहित्योत्सव में इस्त्राइल के छह लेखकों का दल शामिल होगा। उन्होंने बताया कि लेखकों का यह दल भारत-इस्त्राइल के राजनयिक रिश्ते के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यहां आ रहे है। इससे पहले भारत के छह लेखकों का एक दल पिछले साल नवम्बर में इजरायल की यात्रा पर गया था। श्री राव ने बताया कि लेखकों का यह दल एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत आ रहे है। इस मौके पर भारत और इस्त्राइल के लेखकों का एक सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार संवत्सर व्याख्यान कन्नड़ के मशहूर लेखक एवं अकादमी के फेलो एसएल भैरप्पा देंगे। साहित्योत्सव में ''मीडिया और साहित्य' विषय पर भी संगोष्ठी होगी जिसका उद्घाटन प्रसार भारती के अध्यक्ष ए. सूर्यप्रकाश करेंगे और अध्यक्षता साहित्य अकादमी के अध्यक्ष करेंगे। इसमें सुधीश पचौरी, राहुल देव, राजीव रंजन नाग, प्रताप सोमवंशी आदि भाग लेंगे। समारोह की अध्यक्षता इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सचिव करेंगे। श्री राव ने बताया कि साहित्योत्सव की शुरुआत पुस्तक प्रदर्शनी से होगी जिसका उद्घाटन हिंदी की प्रसिद्ध लेखिका चित्रा मुद्गल करेंगी। 12 फरवरी को 24 भारतीय भाषाओं के लेखकों को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। 14 फरवरी को इन पुरस्कृत लेखकों के साथ बातचीत होगी। 15 फरवरी को ''स्वाधीनता के 70 वर्ष : साहित्य में चित्रण' विषय पर संगोष्ठी होगी जिसका उद्घाटन मशहूर उड़िया लेखक एवं अकादमी के फेलो मनोज दास करेंगे, उस दिन युवा लेखक सम्मेलन भी होगा जिसमें विभिन्न भाषाओं के बीस से अधिक लेखक भाग लेंगे।

शाम को एक कवि सम्मेलन भी होगा। उन्होंने बताया कि 16 फरवरी को पूर्वोत्तर राज्यों के लेखकों का भी सम्मेलन होगा इसके आलावा भारतीय साहित्य में प्रकाशकों की भूमिका पर भी संगोष्ठी 17 फरवरी को होगी। उस दिन बच्चों के लिए आओ कहानी बुने कार्यक्रम भी होगा। श्री राव ने बताया कि पहली बार इस साहित्योत्सव में 40 आदिवासी भाषाओं के लेखक शामिल हो रहे हैं, जिनमें से कई ऐसी भाषाएं है, जिनके बोलने वालों की संख्या तीन से चार सौ के बीच है।

'स्कूल ऑफ जर्नलिज्म' के प्रबंधन के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए

पत्रकारिता के छात्र बोले फीस वृद्धि के खिलाफ बोलने पर धमकाया जा रहा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में हाल ही में शुरू किए गए 'स्कूल ऑफ जर्नलिज्म' के छात्रों का मोटी फीस और सुविधाओं के अभाव को लेकर हो रहा विरोध लगातार मुखर होता जा रहा है। छात्रों ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में 'स्कूल ऑफ जर्नलिज्म' के प्रबंधन के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए। छात्रों का कहना है कि उन्हें हर साल लगभग 70 हजार रुपये फीस देनी होगी लेकिन सुविधाएं न के बराबर हैं। एक छात्र ने बताया कि उन्हें सिर्फ दो शिक्षक पढ़ा रहे हैं।

डीयू ने पिछले वर्ष स्कूल ऑफ जर्नलिज्म' की स्थापना कर हिंदी और अंग्रेजी पत्रकारिता का पाठ्यक्रम शुरू किया था। इनमें हिंदी पत्रकारिता में 55 और अंग्रेजी पत्रकारिता में 57 छात्र-छात्राओं के दाखिले हुए हैं। यहां पढ़ने वाले छात्र प्रकाश रंजन ने आरोप लगाया कि सुविधाओं के साथ अतिरिक्त शिक्षकों की मांग करने पर उन्हें निकालने की धमकी दी जाती है। उन्होंने बताया कि प्रशासन छात्रों के अधिक फीस और असुविधाओं के मुद्दे के दबाने के लिए डरा रहा है।

छात्रों की ये है मांगे

छात्रों का कहना है कि किसी भी सरकारी विश्वविद्यालय में पत्रकारिता के एक साल के पाठ्यक्रम के लिए लगभग 70हजार रुपये फीस नहीं ली जाती। प्रवेश परीक्षा में दाखिला पाने वाले टॉप 10 छात्रों में से कई ने फीस न चुका पाने की वजह से दाखिला रद्द करा लिया। प्रशासन को फीस में कमी करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि छात्रों को दाखिले के समय छात्रावास की सुविधा का वादा किया गया था जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है। इसके अलावा उन्हें पाठ्यक्रम शुरू होने के छह महीने के अंदर स्थायी शिक्षक पढ़ाने के लिए लाने का वादा किया गया था लेकिन छह महीने बाद भी दो शिक्षक पढ़ा रहे हैं जिन्हें एक साल के अनुबंध पर रखा गया है। छात्रों का कहना है कि अगर 22 फरवरी तक उनकी मांगे पूरी नहीं हुईं तो वे अपनी फीस चुकाने के लिए कला संकाय के बाहर पकौड़े बेचकर सांकेतिक प्रदर्शन करना पड़ जाएगा।

रात में रिंग रोड पर लिफ्ट के बहाने करते थे लूटपाट

नई दिल्ली। कश्मीरी गेट पुलिस ने रात में रिंग रोड पर लोगों को लिफ्ट देने के बहाने लूटपाट करने वाले गिरोह के चार बदमाशों को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान यासिर, रिजवान, आसिफ और वसीम के रूप में हुई है। गिरोह बीते आठ माह से लोगों से लूटपाट करके उन्हें सुनसान इलाकों में फेंक देता था।

जानकारी के अनुसार, विनय कुमार 8 जनवरी की रात करीब 11 बजे कश्मीरी गेट बस अड्डे के सामने फरीदाबाद बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रहे थे। उन्हें सनलाइट कॉलोनी स्थित अपने घर पर जाना था। इसी दौरान एक कैब वहां आई और विनय को लिफ्ट देने की पेशकश की। कैब में पहले से चार लोग बैठे हुए थे।

इस पर विनय भी कार में सवार हो गए, लेकिन कुछ देर बाद ही कार सवारों ने विनय से मारपीट कर मोबाइल एवं अन्य कीमती सामान लूटकर उसे कड़कड़डूमा इलाके में फेंक दिया। पीड़ित विनय ने अगले दिन कश्मीरी गेट थाने में इस संबंध में मामला दर्ज कराया।

इसके बाद मामले की जांच के लिए एसीपी कोतवाली चंदर कुमार सिंह की देखरेख में एसएचओ देवेंदर कुमार सिंह की टीम गठित की गई। टीम लगातार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान एसआई सत्येंद्र की टीम बीते मंगलवार तड़क 3 बजे निगमबोध घाट के पास वाहनों की जांच कर रही थी। तभी एक वैगनआर कार बस अड्डे से आईटीओ की तरफ जाती हुई दिखी। इशारा करने के बाद भी चालक ने कार नहीं रोकी तो पुलिसकर्मियों ने पीछाकर कार को रोका। पुलिस को जांच में पता चला कि कार चोरी की है। इसके बाद पुलिस ने कार सवार चारों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। चोरी के वाहनों से करते थे लूटपाट : पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे वारदात के लिए चोरी की कार का इस्तेमाल करते थे। पुलिस ने इनके कब्जे से कार के अलावा दो स्कूटी और दो बाइक भी बरामद की गई हैं। आरोपियों ने 8 जनवरी की वारदात में हाथ होना स्वीकार किया। साथ ही, बताया कि वे अब तक करीब 24 लोगों को अपना शिकार बना चुके हैं।

जेएलएन स्टेडियम से आईएनए मार्च अंत से

नई दिल्ली। सराय काले खां से आईएनए तक का रास्ता जल्द आसान हो जाएगा। वाहन चालकों के लिए बारापूला पर नया कॉरिडोर लगभग बनकर तैयार है। इसे मार्च अंत तक आम जनता के लिए खोलने की संभावना है। यह कॉरिडोर शुरू होने के बाद वाहन चालक सराय काले खां से जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम और फिर आईएनए जा सकेंगे। लोक निर्माण विभाग के मुताबिक, यह कॉरिडोर शुरू हो जाने के बाद मध्य दिल्ली से सीधे दक्षिणी दिल्ली जाने का रास्ता साफ हो जाएगा। इस वजह से रिंग रोड आश्रम, मथुरा रोड, भैरो रोड, लाजपत राय मार्ग और आसपास के मार्गो का वाहन बोझ कम होगा। सरकार इस कॉरिडोर को दीपावली से पहले शुरू करने की तैयारियों में थी, लेकिन रेलवे ट्रेक के नजदीक आई तकनीकी दिक्कत की वजह से कॉरिडोर का काम धीमा हो गया था। अब विभाग का मानना है कि इसे मार्च अंत तक पूरा कर दिया जाएगा।

अप्रैल में त्यागराज स्टेडियम का नया लूप

शुरुआत में इस कॉरिडोर पर कहीं भी उतरने या चढ़ने की के लिए जगह उपलब्ध नहीं कराई गई थी। इस वजह से कॉरिडोर के एक तरफ से वाहन चढ़ते थे और दूसरी तरफ आखिरी छोर पर जाकर उतरते थे। इस परेशानी के बाद सरकार ने इस कॉरिडोर के दो नए लूप पर काम शुरू किया था।

इसका एक लूप पहले ही आम जनता के लिए खोला जा चुका है। अब दूसरा लूप भी तैयार है और अप्रैल अंत तक इस लूप का भी प्रयोग किया जा सकेगा। इसका प्रयोग करते हुए त्यागराज स्टेडियम के नजदीक वाहन बारापूला लूप पर आ सकेंगे और अपने गंतव्य स्थान तक जा सकेंगे।

ये परेशानी आई थी : लोधी कॉलोनी में फ्रूट मार्केट के पास एक रेलवे ट्रैक है। इस वजह इस कॉरिडोर का काम दो साल से अधिक तक लटका रहा। अब यह तय किया गया है। इस कॉरिडोर पर पीडब्ल्यूडी अपने पिलर बनाएगा और रेलवे इस पर अपना रूट डालेगा।

योजना की खास बातें

– 2.5 किलोमीटर लंबा है जेएलएन से आईएनए मार्केट तक का कॉरिडोर

– 6 लेन का एलिवेटिड कॉरिडोर होगा आने जाने के लिए

सफर ऐसे आसान होगा

पहले चरण में 4 किलोमीटर सराय काले खां से जेएलएन

दूसरे चरण में 2.5 किलोमीटर जेएलएन से आईए नए तीसरे चरण में काले खां से मयूर विहार

जब यह साफ हो कि लक्ष्यों को प्राप्त नहीं किया जा सकता है, तो लक्ष्यों में फेरबदल न करें, बल्कि अपने प्रयासों में बदलाव करें
-कंफ्यूशिअस

अभिभाषण पर चर्चा

राष्ट्रपति अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों में जो कुछ कहा, उसमें एक साथ विपक्ष के हमलों और आरोपों का जवाब था तो भविष्य की राजनीति को साधने का तंत्र भी। संसद में प्रधानमंत्री का हमलावर तेवर काफी समय बाद देखने को मिला है। प्रधानमंत्री की बातों से देश की जनता कितनी सहमत है और कितनी असहमत इसका अनुमान लगाना कठिन है, लेकिन भाजपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में इस भाषण से उत्साह अवश्य देखा जा रहा है। रोजगार से लेकर एनपीए, विदेश नीति, रक्षा नीति, कश्मीर नीति..आदि पर विपक्ष के आरोपों और हमलों का जिस तरह से मोदी ने प्रत्युत्तर दिया, उससे उनको लगता है कि देश में पैदा हुई गलतफहमी दूर हो गई होगी। हालांकि किसी एक भाषण से ऐसा होना संभव नहीं है, फिर भी भाजपा के अंदर यदि यह माहौल बना है तो इसे मोदी को सफलता मानना ही होगा। उदाहरण के लिए रोजगार के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने तो मुद्रा योजना में कर्ज से लेकर स्टार्ट अप पर वही बातें कीं जो वे पहले भी कह चुके हैं, पर 70 लाख लोगों को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में नया खाता खुलना और चार विपक्षी सरकारों द्वारा एक करोड़ रोजगार देने का तथ्य नया था। हमारा मानना है कि संसद के मंच का उपयोग सार्थक बहस के लिए हो। पर यह एकपक्षीय तरीके से नहीं हो सकता। दोनों पक्षों को ऐसा आचरण करना होगा। कायदे से होना तो यह चाहिए कि राष्ट्रपति के अभिभाषण को देश की वस्तुस्थिति मान ली जाए। एक समय ऐसा होता भी था। आज राष्ट्रपति का अभिभाषण सामान्यत: सरकार की उपलब्धियों एवं उसके भविष्य की कार्ययोजनाओं का सिंहावलोकन होता है। उसमें भी जब सामने आठ राज्यों के चुनाव हों और अगले वर्ष लोक सभा का तो फिर दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे की बखिया उधेड़ना स्वाभाविक है। विपक्ष ने सरकार की जैसी तीखी आलोचना की थी और उसमें भी प्रधानमंत्री को सबसे ज्यादा निशाने पर लिया था, उसमें इस बात की पूरी संभावना बन गई थी कि मोदी इस बार अपने पुराने तेवर में लौटेंगे। आजादी से लेकर आज तक की कांग्रेस की नीतियों की उन्होंने धज्जियां उड़ाई, हर समस्या के लिए कांग्रेस को दोषी साबित किया और उसके पक्ष में तथ्य और तर्क भी दिए। चूंकि पूरे देश ने उसे सुना है इसलिए फैसला हमें आपको ही करना है कि कौन सही है और कौन गलत?

राफेल विवाद

फेल लड़ाकू विमान की खरीद-फरोख्त को लेकर कांग्रेस और केंद्र सरकार के बीच विवाद और ज्यादा घना हो चला है। दो बेहद दमदार इंजन वाले 36 राफेल विमानों में कथित घपले के कांग्रेस के आरोपों को हालांकि रक्षा मंत्रालय ने सिरे से खारिज कर दिया लेकिन कई सवालों के जवाब इसलिए सार्वजनिक होने जरूरी हैं क्योंकि रक्षा सौदों के हिसाब से यह काफी बड़ा है और दूसरा सत्ता पक्ष की प्रतिष्ठा भी इससे जुड़ी हुई है। वैसे देखा जाए तो देश में रक्षा उपकरणों की खरीदारी में घपला-घोटाला और दलाली खाने का चलन सालों से है। 1950 से शुरू होकर यह अब तक होता रहा है। चाहे कारगिल की लड़ाई में पाकिस्तान के छक्के छुड़ाने वाला बोफोर्स तोप में दलाली खाने का कांग्रेस पर आरोप लगा हो या राफेल विमान की खरीद में भाजपा पर उंगलियां उठ रहीं हों। यहां तक कि पिछली यूपीए सरकार के वक्त सेना प्रमुख रहे और अबकी राजग सरकार में केंद्रीय मंत्री जनरल वी.के. सिंह के वक्त टाट्रा ट्रक की खरीद में भी गड़बड़झाले की बात सामने आई थी। देश की सुरक्षा के वास्ते रक्षा उपकरणों की खरीद जरूरी है, लिहाजा दलाली खाने के आरोपों से हथियारों की खरीद-बिक्री से पीछे हटना न तो न्यायसंगत है और न ही देश सुरक्षा के हित में। लेकिन विपक्ष के आरोपों पर भी कुंडली मार कर बैठ जाना समझदारी नहीं है। अगर कांग्रेस कह रही है कि केंद्र की मोदी सरकार ने प्रति राफेल विमान की 526 करोड़ रुपये की तय कीमत के उलट 1570 रुपये प्रति विमान के हिसाब से 36 राफेल जेट का सौदा किया गया। कांग्रेस का आरोप तब ज्यादा गंभीर हो जाता है जब वह यह कहती है कि कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति और अन्य प्रक्रियाओं कोबिना पूर्व अनुमति के इसे मंजूरी दी गई। भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सौदे की कोई भी जानकारी अनुच्छेद 10 के तहत सार्वजनिक नहीं की जा सकती है, गलत परंपरा होगी। स्वाभाविक तौर पर देश की सुरक्षा अहम है। साथ ही सेना पर इस झगड़े का बुरा प्रभाव न पड़े, इसे संजीदगी से परखना होगा। ध्यान रहे गलती करने वाले को बख्शा भी न जाए।

सत्संग

आत्मिक प्रफुल्लता

आपकी एकाग्रता बिखरी हुई है, क्योंकि आप जिसको ''मैं'' कहते हैं वह है आपका शरीर, मन, घर, कार, पति, बच्चा, पालतू कुत्ता, शिक्षा, कारोबार, सत्ता और आपका जमा किया हुआ सब-कुछ, जिनसे आप पहचाने जाते हैं। यदि मैं आपकी इन सब पहचानों का आवरण हटा दूं तो आपको लगेगा कि आप कुछ भी नहीं हैं। इसलिए आप जिसको ''मैं'' कहते हैं वह फिलहाल आपके चारों ओर फैली हुई चीजें और रिश्ते हैं। जब मैं ''आप'' कहता हूं, तो उसका अर्थ केवल ''आप'' है। यह कार नहीं, यह यात्रा नहीं, आपका बच्चा नहीं, कुछ भी नहीं, केवल आप। यदि यह ''आप'' अपने वास्तविक रूप के अलावा किसी भी दूसरी चीज से पहचाना नहीं जाता तब आप, जैसा चाहें वैसा, फिर से अपना भाग्य लिख सकती हैं। फिलहाल आप बिखरे हुए हैं। यह ''आप'' नहीं हैं बल्कि सिर्फ जमा किया हुआ अतीत है। ''जब तक आप अपनी जमा की हुई इन सारी चीजों से पहचानी जाती हैं, तब तक आप एक भीड़ हैं, और भीड़ का भाग्य हमेशा पहले से तय होता है। जब आप एक व्यक्ति यानी ईंडिविजुअल बन जाती हैं तो फिर कभी बांटी नहीं जा सकतीं। बांटी न जा सकने का मतलब होता है अनंत। आप अनंत के अलावा हर किसी चीज के टुकड़े कर सकती हैं। जो तोड़ा जा सकता है उसे पूरे स्थायित्व का बोध नहीं होता। इसका मतलब यह है कि आप टुकड़ों में हैं अपने आपको एक साथ जोड़े रखना एक बहुत बड़ा करतब है। जब आप किसी और चीज से पहचान न बनाकर विशुद्ध ''आप'' बन जाएंगे तभी आपका भाग्य आपके हाथ में होगा। मैं चाहता हूं कि आप यह समझ लें।' मैं भी यह समझना चाहती थी। उनकी बातें सुनकर मैं सोचने लगी कि अनजाने में मैं अपनी एकाग्रता को किस तरह बिगाड़ रही थी। मैं पहले जैसी चिंताओं में डूबी नहीं थी, लेकिन मेरा आध्यात्मिक भाग्य निश्चित रूप से मेरे हाथों में नहीं था। सद्गुरु अपने कहे अनुसार केवल प्रश्न का नहीं, व्यक्ति का उत्तर देते हैं। मैं जानती थी कि उनकी यह बात मुझ पर सौ फीसद लागू होती है। फिर मैं सोचने लगी कि क्या मैं अब भी अपने शरीर, मन, घर-बार, कार, पति, बच्चा, कारोबार, सत्ता जैसी उनकी बताई सब चीजों के रूप में अधिक पहचानी जाती हूं? इन पहचानों के बिना मैं केवल अपने जीवन से कैसे पूरी तरह जुड़ी रहूं? कुछ लोग योगी बनने के लिए अपना सांसारिक जीवन छोड़ देते हैं। मैं अपने घर में रहकर अंतर्ज्ञान पाना चाहती थी।

''मुक्तिदाता''

अफगानिस्तान में सोवियत संघ का सैनिक हस्तक्षेप तथा इराक व सीरिया में अमेरिकी सैनिक हस्तक्षेपों का अंजाम सबको पता है हिन्द महासागर के तटीय क्षेत्र में स्थित मालदीव अपने आंतरिक संकट से जूझ रहा है। निरंकुश और अधिकारवादी राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना करके देश में आपातकाल थोप दिया है। मुख्य न्यायाधीश अब्दुल्ला सईद और एक अन्य न्यायाधीश अली हमीद को गिरफ्तार कर लिया गया है। सरकार के इस फैसले के खिलाफजगह-जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, और काफी पहले से चली आ रही

सतीश पेडणेकर

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने अब्दुल्ला यामीन की सरकार को बर्खास्त करने के लिए भारत से सैन्य हस्तक्षेप की मांग की है। लेकिन सवाल है कि नई विश्व व्यवस्था में भारत के लिए क्या संभव है कि ''मुक्तिदाता'' की भूमिका निभा पाए, जैसा कि 1951में उसने नेपाल के शासक राजा त्रिभुवन के समय निभाई थी। अफगानिस्तान में सोवियत संघ का सैनिक हस्तक्षेप तथा इराक व सीरिया में अमेरिकी सैनिक हस्तक्षेपों का अंजाम सबको पता है हिन्द महासागर के तटीय क्षेत्रमें स्थित मालदीव अपने आंतरिक संकट से जूझ रहा है। निरंकुश और अधिकारवादी राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना करके देश में आपातकाल थोप दिया है। मुख्य न्यायाधीश अब्दुल्ला सईद और एक अन्य न्यायाधीश अली हमीद को गिरफ्तार कर लिया गया है। सरकार के इस फैसले के खिलाफजगह-जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, और काफी पहले से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता के कारण देश की अर्थव्यवस्था और राजनीति, दोनों बुरी तरह से प्रभावित हो रही हैं। इस नाटकीय राजनीतिक घटना की शुरुआत सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद हुई जिसमें आठ विपक्षी सांसदों की रिहाई के साथपूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद के खिलाफलगाए गए झूठे आरोप को रद्द किया जाना था। मोहम्मद नशीद 2008 से 2012 तक राष्ट्रपति रहे हैं। इसी दौरान उन पर क्रिमिनल कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को एक सैनिक शिविर में हिरासत में रखने का आरोप लगा था। इस मामले ने इतना जोर पकड़ा कि उन्हें अपने पद से इस्तीफा तक देना पड़ा था। इसी के बाद 2013 में चुनाव की घोषणा हुईऔर अब्दुल्ला यामीन देश के पांचवे राष्ट्रपति बने। स्वभाव से क्रूर और निरंकुश यामीन की सरकार ने नशीद के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होने का फर्जी आरोप लगा कर गिरफ्तार कर लिया।

पश्चिमी देशों के दबाव के बाद उन्हें इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मिल गई। फिलहाल वह श्रीलंका में निर्वासित हैं, और मालदीव की राजनीतिक घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं।मालदीव सामरिक दृष्टि से भारत के लिए विशेष अहमियत रखता है, क्योंकि उसका समस्त जलमार्ग हिन्द महासागर से होकर गुजरता है। यही जलमार्ग नई दिल्ली को पूर्व एशिया, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से जोड़ता है। इसलिए, भारत इसे अपने राजनीतिक-आर्थिक प्रभाव वाला क्षेत्र मानता है। मालदीव की राजनीतिक उथल-पुथल की घटना पर भारत ने जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की है, उससे पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद और विपक्षी दलों के नेताओं के प्रति उसकी सहानुभूति जाहिर होती है। मोहम्मद नशीद ने दो कारणों से यह सहानुभूति अर्जित की है। एक, वर्तमान यामीन सरकार ने मालदीव एयरपोर्ट को विकसित और आधुनिक बनाने के काम में लगी एक भारतीय निजी कंपनी का काम रोक कर उसे स्वदेश भेज दिया और दूसरे, अब्दुल्ला यामीन का चीन के प्रति झुकाव। हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत की सुरक्षा के लिएचिंता का कारण हो सकता है। जाहिर है कि वह मूकदर्शक बना नहीं रह सकता। इसलिए नई दिल्ली ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत करते हुए यामीन सरकार से उसका पालन करने की अपील की थी। मालदीव में आपातकाल की घोषणा के बाद पूर्व राष्ट्रपति नशीद ने यामीन की सरकार को बर्खास्त करने के लिए भारत से सैन्य हस्तक्षेप करने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि इस नई विश्व व्यवस्था में भारत के लिए क्या संभव है कि ''मुक्तिदाता'' की भूमिका निभा पाए, जैसा कि 1951 में उसने नेपाल के शासक राजा त्रिभुवन के समय निभाई थी। अफगानिस्तान में सोवियत संघ का सैनिक हस्तक्षेप और इराक व सीरिया में अमेरिकी सैनिक हस्तक्षेपों का अंजाम हम सबको पता है? पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय श्रीलंका में शांति सेना भेजने का दुष्परिणाम भारत भुगत चुका है। भारत अगर मालदीव में सैनिक हस्तक्षेप करता है, तो इसके परिणाम विपरीत ही निकलेंगे। वैश्वीकरण से राजनीतिक चेतना की प्रक्रिया मजबूत हुई है, और किसी भी देश का नागरिक इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा कि उसके देश के अंदरूनी मामलों में कोईविदेशी शक्ति सीधे तौर पर हस्तक्षेप करे। यह राष्ट्रीय चेतना निरंकुश और अधिकारवादी राष्ट्रपति यामीन के पक्ष में जा सकती है, जो उन्हें तानाशाही की ओर ले जाएगी। राष्ट्रपति यामीन इस तथ्य से परिचित हैं कि भारत की सहानुभूति मोहम्मद नशीद और विपक्षी नेताओं के साथहै, और नई दिल्ली उनके खिलाफकोईकार्रवाईकर सकती है। आम तौर पर हर निरंकुश और तानाशाह शासक भीतर से डरपोक होता है। इसीलिए वह लोकतंत्र विरोधी कार्रवाई के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए अपने विशेष दूत चीन, पाकिस्तान और सऊदी अरब भेज रहे हैं। भारत स्थित मालदीव के राजदूत अहमद मोहम्मद की बातों को मानकर चलें तो ''विशेष दूतों की प्रस्तावित यात्रा का पहला चरण भारत था पर भारतीय नेतृत्व के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के कारण ऐसा नहीं हो पाया।' लेकिन क्या उनकी बातों पर सहज विस किया जा सकता है। भारतीय नेतृत्व कहने का उनका आशय स्पष्ट नहीं हो सका है। अगर प्रधानमंत्री विदेश यात्रा पर जा रहे हैं तो उनकी अनुपस्थिति में राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, गृहमंत्री और विदेश मंत्री में किसी से भी मालदीव के विशेष दूत मुलाकात कर सकते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने यह कहकर चीन का रुख साफकर दिया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मालदीव की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए। जाहिर है चीन का इशारा भारत की ओर ही था। चीन दक्षिण एशिया में अपनी विस्तारवादी नीतियों को जारी रखते हुए पाकिस्तान, नेपाल, मालदीव और श्रीलंका में अपना आधारभूत ढांचा खड़ा करना चाहता है। इन देशों को हथियारों की आपूर्त्त करते हुए अरबों डॉलर का अनुदान देकर मदद कर रहा है। इसके चलते ये सभी देश धीरे-धीरे चीन के नियंत्रणमें चले जा रहे हैं। मालदीव की वर्तमान सरकार चीन के हितों के अनुकूल काम कर रही है। भारतीय उपमहाद्वीप के सभी छोटे-छोटे देश अपनी सुरक्षा को लेकर हमेशा भयभीत रहते हुए भारतीय शक्ति संतुलन को साधने के लिए चीनी कार्ड खेलते हैं। इन देशों में चीन का भारी निवेश और आर्थिक मदद भारत को इस खेल से भारत को बाहर कर देता है। ऐसे में यह अहम सवाल उठता है कि भारत को क्या करना चाहिए? यह सच है कि यामीन की तुलना में मोहम्मद नशीद ज्यादा भारत समर्थक हैं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि सभी देश अपनी राष्ट्रीय हितों के अनुकूल ही अपनी नीतियां बनाते हैं। आखिर भारतीय समर्थक श्रीलंका की सरकार ने अपने अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह हंबनतोता चीनी कंपनियों को सौंप दिया है। इसलिए इस बात की क्या गारंटी है कि यदि नशीद सत्ता में लौटते हैं तो क्या उनकी सरकार भारतीय हितों के अनुकूल काम करेगी? इन परिस्थितियों में भारत के लिए यही बेहतर होगा कि मालदीव के मसले पर फूंक-फूंक कर अपना कदम बढ़ाएं।

चलते चलते

नीम हकीम

इसकी हकीकत उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में देखने को मिली, जहां बिना किसी डिग्री के एक शख्स-जिन्हें आम बातचीत में झोलाछाप डॉक्टर कहकर संबोधित किया जाता है-कि गलती से 58 लोग एचआईवी संक्रमण के शिकार हो गए। संख्या के बढ़ने की आशंका बरकरार है। उन्नाव के बांगरमऊ तहसील के कुछ गांवों में एक गैर सरकारी संगठन द्वारा लगाए गए।

जाता है, नीम हकीम खतरा-ए-जान। मतलब बिना जानकारी वाले लोगों से इलाज जानलेवा होता है। इसकी हकीकत उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में देखने को मिली, जहां बिना किसी डिग्री के एक शख्स-जिन्हें आम बातचीत में झोलाछाप डॉक्टर कहकर संबोधित किया जाता है-कि गलती से 58 लोग एचआईवी संक्रमण के शिकार हो गए। संख्या के बढ़ने की आशंका बरकरार है। उन्नाव के बांगरमऊ तहसील के कुछ गांवों में एक गैर सरकारी संगठन द्वारा लगाए गए एक स्वास्थ्य शिविर में जांच के दौरान कुछ लोगों में एचआईवी के लक्षण मिले। गांव-गांव साइकिल से घूम कर इलाज करने वाला राजेंद्र यादव किसी एचआईवी मरीज को सुई लगाने के बाद उस सुई का दोबारा इस्तेमाल से यह संक्रमण फैला है। खैर दोषी डॉक्टर के मामले में कानून अपना काम करेगा, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि गांव-देहात के बड़े हिस्से का स्वास्थ्य इन्हीं झोलछाप डॉक्टरों पर निर्भर है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़े इसकी वजह जगजाहिर करते हैं, जिसके अनुसार ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ कहे जाने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों के 80 फीसद पद खाली हैं। जाहिर है योग्य डॉक्टरों की कमी का फायदा झोलछाप डॉक्टर बखूबी उठाते हैं। गांव-देहात यहां तक कि बड़े शहरों में भी मजबूरी में जनता उससे इलाज कराने को मजबूर होते हैं। आंकड़ों के मुताबिक बिना किसी मेडिकल प्रशिक्षण के देश के कुल डॉक्टरों का 57 फीसद है जो भोली-भाली और मजबूर जनता की सुरक्षा से खेल रहे हैं। कुल 32 फीसद एलोपैथिक डॉक्टरों में सिर्फ 19 फीसद ही गावों में हैं। अमूमन डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में जाने से परहेज करते हैं। हाल के बजट में राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा में 5 लाख रुपये की सुरक्षा बीमा के साथ 50 करोड़ लोगों को लक्षित करने की बात है। मगर अफसोसनाक बात यह भी है कि देश में डॉक्टरों का अनुपात पाकिस्तान और सीरिया से भी खराब है। भारत के प्रति 2000 लोगों पर एक डॉक्टर के मुकाबले सीरिया में 700 और पाकिस्तान में 1400 हैं। जब तक यह स्थिति नहीं सुधरेगी, झोलाछाप ऐसे ही खिलवाड़ करते रहेंगे।

फोटोग्राफी...

यह फोटो ओमान की उस जगह का है, जिससे दुनिया बहुत कम परिचित है। फोटोग्राफर पाउलिना विचर्ज गर्ज ने इसके बारे में बताया कि वे मध्य यूरोप में रहीं हैं और कुछ दिन पहले नॉर्वे में थीं। उनका प्रोजेक्ट पूरा होने के पहले ही उनकी कंपनी ने उन्हें ओमान जाने के लिए कहा। वे और उनकी टीम के सदस्य न कभी वहां गए थे और उन उन्हें वहां की कोई जानकारी थी। पाउलि ना फिर भी वहां गईं और फिर उन्होंने जो देखा, वह अद्भुत था। वे अपनी टीम लेकर ऐसी जगहों पर गईं, जो आश्चर्यों से भरी थीं। यह फोटो उन्होंने 'द ग्रैंड कैनयन ऑफअरेबि या' में क्लिक कि या, जो पहाड़ों से घिरी है। इसे वादी गुल कहा जाता है। उनके साथी जहां खड़े हैं, उसे 'द माउन्टे न ऑफ सन' कहा जाता है। पाउलिना ने बताया कि ओमान की इन जगहों पर जाना बहुत मुश्किल था। आज मैं कह सकती हूं कि अरब महाद्वीप में ओमान सबसे अलग और प्राचीन सभ्यता वाला अनोखा देश है। instagram.com

''माई''

सरदासपुर लोक सभा के बाद राजस्थान के अलवर और अजमेर उप चुनाव में मिली हार से सकते में आई भारतीय जनता पार्टी के लिए अररिया संसदीय सीट लिटमस टेस्ट साबित होने जा रही है। इस अभियान की गंभीरता और सफलता का आग्रही बनी भाजपा की बेचैनी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के लगभग 10 दिनी बिहार प्रवास से समझा जा सकता है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की विशेष चर्चा है कि बिहार के आसपास अररिया उप चुनाव की घोषणा होने वाली है। ऐसे में 6 से 15 फरवरी तक गांव, किसान और गोवंश संवर्धन पर उत्तरी बिहार में हिन्दुत्व की लहर बहा कर संघ न केवल अररिया उप चुनाव की जीत चाहता है, बल्कि नये स्वयंसेवकों के जरिए आम चुनाव से पहले बिहार में मजबूत सांगठनिक आधार बनाना चाहता है। प्रशिक्षण के बहाने हिंदू कार्ड का यह खेल भाजपा वैसे भी राजद प्रमुख लालू प्रसाद के ''माई'' समीकरण के विरुद्ध आजमाना चाहती है। संघ की नजर उस गांव-जवार पर भी है, जिसकी गुजरात के विधान सभा चुनाव में लहर महसूस की गई। संघप्रमुख संगठन को किसानों और पशुपालकों से जोड़ कर ग्रामीण इलाकों में भाजपा को मजबूत आधार भी देना चाहते हैं। अपने इस प्रयोग का परिणाम देखने का आग्रही संघ इसे सबसे पहले अररिया उप चुनाव में आजमाना चाहता है। इसलिए कि भाजपा के भीतर चल रही नमो लहर के बावजूद वर्ष 2014 के लोक सभा चुनाव में अपने गठबंधन दल के साथ भाजपा ने 31 लोक सभा सीटों पर जीत जरूर हासिल की लेकिन उसे सीमांचल में जबर्दस्त हार का सामना करना पड़ा था। कटिहार, पूर्णिया और अररिया सीट से हाथ धोना पड़ा। इस हार से भाजपा ने जो सबक लिया, उसे अररिया उपचुनाव में आजमाना चाहती है। दरअसल, 2014 लोक सभा के चुनाव में भाजपा कटिहार और पूर्णिया में हारी जरूर मगर उसका वोट बैंक बढ़ा। लेकिन अररिया में उसने 1.60 लाख के अंतर से सीट गंवाई और वोट भी गत चुनाव से कम मिले। इस हार ने भाजपा के रणनीतिकारों को नये सिरे से सोचने को बाध्य किया है। अररिया में हार इसलिए भी विशेष मंथन की ओर भाजपा के रणनीतिकारों को ले जा रही है कि पिछले 20 सालों में उसे इतने ज्यादा अंतर यानी एक लाखसाठ हजार के मतों से शिकस्त नहीं मिली थी। यह भी तब जब अररिया में जीत-हार का फैसला 20 सालों में 18 से 30 हजार मतों के बीच होता रहा है। अररिया लोक सभा क्षेत्रमें मतदाताओं की संख्या लगभग 17.5 लाख है। इनमें करीब 40 प्रतिशत यानी 6 लाख 35 हजार मुस्लिम मतदाता हैं। यादव मतदाताओं की संख्या लगभग 1.5 लाख है। महागठबंधन की राजनीति के ''माई'' समीकरण के विरुद्ध भाजपा अति पिछड़ों, पिछड़ों, सवर्णों और दलितों के शेष बचे 8 लाख मतों के बीच अपनी जीत तलाशती रही है। संघ द्वारा अति पिछड़ा वर्ग के नेताओं में पूर्व विधान पार्षद एवं प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र गुप्ता, विधायक दिलीप जायसवाल, विजय मंडल, पूर्व सांसद प्रदीप सिंह को लेकर भी फीडबैक लिये जा रहे हैं। कई बार विधायक रहे कोषाध्यक्ष एवं विधायक दिलीप जायसवाल के अलावा विधायक विजय मंडल के नाम की भी चर्चा है। एक और उप चुनाव को आमंत्रण देना सही है क्या? इसके लिए मुस्लिम बहुल अररिया सीट संघ की प्रयोगस्थली के लिए सबसे मुफीद माना जा रहा है। वह भी इसलिए कि यहां उसकी लहर चले तो न केवल सीमांचल में भाजपा की पुरानी स्थिति बरकरार रहे बल्कि प्रदेश भर में पार्टी के प्रति विस कायम हो। खासकर इस बात को ध्यान में रख कर पिछड़ों और दलितों में पैठ बनाने वाले नीतीश कुमार और रामविलास पासवान अहम भूमिका लिये गठबंधन के साथ खड़े हैं।

वावरिंका साल की दूसरी जीत के साथ सोफिया एटीपी के क्वार्टरफाइनल में

सोफिया। चोट से वापसी कर रहे तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता स्टान वावरिंका ने सोफिया एटीपी टेनिस में क्वालीफायर खिलाड़ी मार्टिन क्लिजन को 4-6, 6-2, 6-3 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। स्विट्जरलैंड का यह 32 वर्षीय खिलाड़ी विम्बलडन के बाद से दो बार घुटने की सर्जरी के कारण छह महीने से कोर्ट से दूर था। वापसी के बाद यह उनकी दूसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में रिकार्डास बेरांकिस को हराया था। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज इस खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे उम्मीद थी की यह कड़ा मुकाबला होगा क्योंकि उसने (क्लिजन) यहां कुछ मैच खेले है।'

अंकिता रैना और करमन ने भारत को हांगकांग पर जीत दिलाई

नयी दिल्ली। अंकिता रैना ने अपना शानदार फार्म जारी रखा जबकि सहज गलतियों के बावजूद करमन कौर थांडी ने फेड कप 2018 में पहली जीत दर्ज करते हुए हांगकांग के खिलाफ भारत को 2-0 से अजेय बढत दिलाई। थांडी ने एक घंटे 24 मिनट तक चले मुकाबले में अपने से निचली रैंकिंग वाली यूडिस चोंग को 6-3, 6-4 से हराया। यह उसके फेड कप कैरियर की दूसरी जीत है। इस जीत के साथ ही उसका चार मैचों की हार का सिलसिला भी थम गया। उसने एक साल पहले कजाखस्तान के अस्ताना में पिछली बार फेड कप मैच जीता था। दो हार के बाद इस जीत से करमन का आत्मविश्वास बढा होगा। उसने पहली बार भारत को 1-0 से बढत दिलाई।

गुरुवार की अपने से ऊंची रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने वाली करमन ने शुक्रवार को कई गलतियां की। प्रतिद्वंद्वी बेहतर होता तो उसके लिये जीत पाना मुश्किल हो जाता। वहीं अंकिता ने लिंग झांग को 6-3, 6-2 से हराया। इस जीत के बाद युगल मुकाबला बेमानी हो गया है लेकिन फिर भी खेला जायेगा। भारत अब कल पूल बी की चौथे स्थान की टीम से खेलेगा। पिछले दो दिन से थकाऊ मुकाबले खेलने वाली अंकिता ने आक्रामकता से कोई समझौता किये बिना शानदार खेल दिखाया। उसने पांचवें गेम में 4-1 की बढत बना ली थी। झांग ने कुछ अच्छे शाट लगाये लेकिन अंकिता ने उसकी सर्विस तोड़कर पहला सेट जीता। दूसरे सेट में भी उसने लय कायम रखते हुए झांग को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

फेड कप 2018 : करमन कौर थांडी ने भारत को बढत दिलाई

नयी दिल्ली। सहज गलतियों के बावजूद करमन कौर थांडी ने फेड कप 2018 में पहली जीत दर्ज करते हुए हांगकांग के खिलाफ भारत को 1-0 से बढत दिलाई। थांडी ने एक घंटे 24 मिनट तक चले मुकाबले में अपने से निचली रैंकिंग वाली यूडिस चोंग को 6-3, 6-4 से हराया। यह उसके फेड कप कैरियर की दूसरी जीत है। इस जीत के साथ ही उसका चार मैचों की हार का सिलसिला भी थम गया। उसने एक साल पहले कजाखस्तान के अस्ताना में पिछली बार फेड कप मैच जीता था। दो हार के बाद इस जीत से करमन का आत्मविश्वास बढा होगा। उसने पहली बार भारत को 1-0 से बढत दिलाई। अब अंकिता रैना का सामना लिंग झांग से होगा। गुरुवार अपने से ऊंची रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने वाली करमन ने शुक्रवार को कई गलतियां की। प्रतिद्वंद्वी बेहतर होता तो उसके लिये आज जीत पाना मुश्किल हो जाता।

पीसीबी ने नासिर पर भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के आरोप लगाए

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पूर्व टेस्ट सलामी बल्लेबाज नासिर जमशेद पर आज अपनी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के कई आरोप लगाए। नासिर को इन आरोपों का जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया गया है। पीसीबी ने बयान जारी कर कहा कि नासिर को नोटिस जारी किया गया है जिसमें स्पाट फिक्सिंग और भ्रष्टाचार के मुद्दों के संदर्भ में आचार संहिता के उल्लंघन के कई आरोप लगे हैं।

रूस के 47 खिलाड़ियों की ओलंपिक में खेलने को लेकर याचिका खारिज

प्योंगचांग। रूस के 47 खिलाड़ियों की शीतकालीन ओलंपिक में भाग लेने के लिये ऐन मौके पर दायर की गई याचिका अदालत ने खारिज कर दी। कोरियाई मूल के स्पीड स्केटर विक्टर ऐन ने खेल पंचाट से अपील की थी कि उन्हें ओलंपिक में नहीं खेलने देने के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के फैसले को पलट दे।

प्रतिष्ठा बचाने उतरेगा दक्षिण अफ्रीका, भारत की नजरें ऐतिहासिक जीत पर

जोहानिसबर्ग (एजेंसी)।

जीत के अश्वमेधी रथ पर सवार भारतीय टीम शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे वनडे के जरिये श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने उतरेगी जबकि मेजबान का इरादा प्रतिष्ठा बचाने का होगा। श्रृंखला में 3-0 की बढत बनाने के बाद भारत को अब दक्षिण अफ्रीकी सरजमीं पर पहली वनडे श्रृंखला जीतने के लिये सिर्फ एक और जीत की जरूरत है। इससे पहले 2010-11 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में उसने 2-1 से बढत बनाई थी लेकिन श्रृंखला 3-2 से हार गई। भारत ने न्यूलैंड्स में जीत के साथ ही 1992-93 के बाद दक्षिण अफ्रीका में द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में पहली बार तीन मैच जीते। अब चौथा मैच जीतकर भारत आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर वन पर अपनी स्थिति पुख्ता करना चाहेगा। तीसरे वनडे से पहले शिखर धवन ने कहा था कि टीम हर मैच जीतना चाहती है और ड्रेसिंग रूम में आत्ममुग्धता का माहौल कतई नहीं है। विराट कोहली ने 34वां वनडे शतक लगाकर मोर्चे से अगुवाई करते हुए टीम को जीत दिलाई। उन्होंने बाद में कहा कि बाकी मैचों में भी इसी आक्रामकता को बरकरार रखेंगे।

कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल मिलकर 30 में से 21 विकेट ले चुके हैं और कोहली के आत्मविश्वास का यह भी कारण है। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूलैंड्स पर कलाई के पांच अलग अलग स्पिनरों के साथ अभ्यास किया लेकिन चहल और यादव का सामना नहीं कर सके।

दक्षिण अफ्रीका के लिये राहत की बात एबी डिविलियर्स की वापसी है तो बाकी तीन मैच खेलेंगे। ऊंगली की चोट के कारण वह पहले तीन मैच नहीं खेल सके थे।

डिविलियर्स का शुक्रवार दोपहर फिटनेस टेस्ट होगा और उनकी उपलब्धता के बारे में तभी फैसला लिया जायेगा। यदि वह खेलते हैं तो तीसरे नंबर पर उतरेंगे और जेपी डुमिनी चौथे नंबर पर खिसक जायेंगे। ऐसे में डेविड मिलर या खाया जोंडो में से एक को बाहर रहना होगा। एडेन मार्करम टीम की कप्तानी करते रहेंगे। यह पिंक वनडे होगा जो स्तन कैंसर के लिये जागरूकता जगाने के मकसद से खेला जा रहा है। पहली बार इसका आयोजन 2011 में हुआ और छठी बार खेला जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका ने पिंक जर्सी में खेलते हुए एक भी मैच नहीं गंवाया है। डिविलियर्स ने 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 44 गेंद में 149 रन बनाये थे। इससे पहले 2013 में भारत के खिलाफ 47 गेंदों में 77 रन बनाये थे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार 11वें वनडे में रोहित शर्मा खराब फार्म से जूझते दिखे हैं। उनका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले 11 मैचों में औसत 12-10 है और भारतीय टीम प्रबंधन के लिये यह चिंता का सबब होगा। भारत का इस मैदान पर औसत रिकार्ड रहा है। यहां सात वनडे में से भारत ने तीन जीते और चार गंवाये। इसमें 2003 विश्व कप फाइनल में आस्ट्रेलिया से मिली हार शामिल है। यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जनवरी 2011 में भारत ने जीत दर्ज की थी जब मुनाफ पटेल के चार विकेट की मदद से भारत ने एक रन से रोमांचक जीत हासिल की थी।

भारतीय महिला टीम की नजरें श्रृंखला 3-0 से जीतने पर

पोशेफस्ट्रूम। श्रृंखला अपनी झोली में डाल चुकी भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरा और आखिरी मैच जीतकर 3-0 से क्लीन स्वीप करना चाहेगी। पिछले साल विश्व कप में भारत को हरा चुकी दक्षिण अफ्रीका अपनी ही सरजमीं पर भारत का सामना नहीं कर सकी। पहले दो वनडे में लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम 125 और 124 रन पर आउट हो गई। भारत ने तेज गेंदबाजी और स्पिन दोनों से उसे परेशान किया। पहले मैच में झूलन गोस्वामी और दूसरे में लेग स्पिनर पूनम यादव उसकी परेशानी का सबब बनी। मध्यम तेज गेंदबाज गोस्वामी वनडे क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गई। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 84 और 135 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज पूनम राउत अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल सकी है और वह अपनी गलती से सबक लेना चाहेगी। पहले मैच में नाकाम रहने के बाद हरमनप्रीत कौर और वेदा कृष्णामूर्ति ने दूसरे मैच में अर्धशतक जमाये। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के लिये सलामी बल्लेबाज लिजेले ली के अलावा कोई नहीं चल सका। गेंदबाजों ने भी काफी रन लुटाये।

भारत श्रृंखला ने दिखाया कि दक्षिण अफ्रीका की भावी पीढी अभी तैयार नहीं : ग्रीम स्मिथ

सेंट मौरित्ज (स्विटजरलैंड) (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ का मानना है कि मौजूदा वनडे श्रृंखला में भारत के पूरे दबदबे से साबित हो गया है कि दक्षिण अफ्रीका की भावी पीढी अभी दमदार प्रतिद्वंद्वी का सामना करने के लिये तैयार नहीं है। भारत दक्षिण अफ्रीकी सरजमीं पर पहली वनडे श्रृंखला जीतने की दहलीज पर है। स्मिथ ने यहां सेंट मौरित्ज आइस क्रिकेट टूर्नामेंट से इतर कहा, 'भारतीय टीम 3-0 से बढत बनाने की हकदार थी। दक्षिण अफ्रीका के तीन प्रमुख खिलाड़ी एबी डिविलियर्स, फाफ डु प्लेसिस और किंटोन डिकाक चोट के कारण बाहर हैं लेकिन इससे यह भी साबित हो गया कि दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटरों की अगली नस्ल अभी कमान संभालने के लिये तैयार नहीं है।''

उन्होंने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट को देखना है कि वे युवाओं को किस तरह तैयार करेंगे ताकि वे इस स्तर पर अच्छा खेल सकें। मैं उनके प्रदर्शन से बहुत निराश हूं लेकिन भारत को बेहतरीन क्रिकेट खेलने का श्रेय दिया जाना चाहिये।' दक्षिण अफ्रीका के लिये 117 टेस्ट खेल चुके स्मिथ ने कहा, 'इस समय लग रहा है कि हम श्रृंखला में बड़ी हार झेलने जा रहे हैं जो निराशाजनक है। विश्व कप 2019 के बाद कई खिलाड़ी टीम में नहीं होंगे और इस श्रृंखला से पता चल गया है कि नये खिलाड़ियों को काफी मेहनत करनी होगी।' स्मिथ को सबसे ज्यादा दुख इस बात का है कि मेजबान बल्लेबाज कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल की फिरकी का सामना नहीं कर सके।

उन्होंने कहा, 'वे अच्छी बल्लेबाजी कर ही नहीं पाये। मध्यक्रम के पास अनुभव नहीं था लेकिन जेपी डुमिनी और डेविड मिलर तो काफी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके हैं और आईपीएल में भी स्पिन गेंदबाजी का सामना कर चुके हैं।' उन्होंने चहल और यादव की

तारीफ करते हुए कहा कि दोनों ने मुथैया मुरलीधरन और शेन वार्न के जाने के बाद फिरकी को फिर दिलचस्प बना दिया है। उन्होंने कहा, 'मुरली और वार्न अब नहीं खेलते और क्रिकेट के लिये चहल और यादव का आना अच्छा है। खेल में कोई रहस्यमय स्पिनर नहीं था और इनके मौजूदा प्रदर्शन ने इसे रोमांचक बना दिया है।'

इंदिरा नूयी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की पहली महिला स्वतंत्र निदेशक बनी

दुबई। पेप्सीको की चेयरमैन और सीईओ इंदिरा नूई को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की पहली स्वतंत्र महिला निदेशक नियुक्त किया गया। नूई जून 2018 में बोर्ड से जुड़ेंगी। उन्होंने आईसीसी की एक विज्ञप्ति में कहा, ''इस भूमिका के लिये आईसीसी से जुड़ने वाली पहली महिला बनकर मैं रोमांचित हूं। बोर्ड, आईसीसी साझेदारों और क्रिकेटरों के साथ काम करने का मुझे इंतजार है।' आईसीसी अध्यक्ष शशांक मनोहर ने कहा, 'एक और स्वतंत्र निदेशक और वह भी महिला को नियुक्त करना देश के संचालन को बेहतर बनाने की दिशा में अहम कदम है।' उनकी नियुक्ति दो साल के लिये की गई है लेकिन उन्हें दोबारा नियुक्त किया जा सकता है।

डेनियल विटोरी के कहा विराट ने चहल को साहसी गेंदबाज बनाया

सेंट मौरित्ज (स्विटजरलैंड)। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी का मानना है कि भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कलाई के स्पिनर युजवेंद्र चहल में काफी आत्मविश्वास भरा है जो वनडे क्रिकेट में उसकी अप्रतिम सफलता की कुंजी बना। विटोरी आईपीएल टीम रायल चैलेंजर्स बेंगलूर के कोच है जिसके कप्तान कोहली हैं। चहल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में तीन मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं। विटोरी ने सेंट मौरित्ज आइस क्रिकेट से इतर कहा, 'युजवेंद्र साहसिक गेंदबाज है और यह आसान नहीं होता जब आप चिन्नास्वामी जैसे बल्लेबाजों के मददगार छोटे मैदान पर इतने आईपीएल मैच खेले हों।'

उन्होंने कहा, 'इसके बावजूद वह बल्लेबाजों पर आक्रमण के लिये तैयार है और विराट ने आरसीबी में तथा अब भारतीय टीम में रहते उसमें यह आक्रामकता भरी है। इसका फायदा अब मिल रहा है।' कोहली की कप्तानी के बारे में काफी कुछ कहा जा चुका है और विटोरी ने कहा कि उसके बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह सुनने को तत्पर रहता है। उन्होंने कहा, 'विराट के साथ आरसीबी के लिये काम करते समय मैने देखा कि उसके बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह सुनने और सीखने को तत्पर रहता है।' विटोरी ने कहा, 'मुझे उसके दोनों पहलू पसंद है ।आक्रामकता और छटपटाहट जो वह मैदान पर दिखाता है और मैदान से बाहर जो वह सीखने की कोशिश करता है।''

दूसरे टेस्ट पर श्रीलंका की मजबूत पकड़, बनाई 312 रन की बढ़त

ढाका (एजेंसी)।

सुरंगा लकमल और अकिला धंनजय के तीन-तीन विकेटों के बाद रौशन सिल्वा के नाबाद 58 रन की बदौलत श्रीलंका ने मेजबान बांग्लादेश के खिलाफ अपने हरफनमौला खेल से दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को दो विकेट शेष रहते 312 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली।

स्टंप्स के समय श्रीलंका अपनी दूसरी पारी में 62 ओवर में आठ विकेट पर 200 रन बना चुका है और उसके पास दो विकेट शेष रहते 312 रन की मजबूत बढ़त है। उसके बल्लेबाज रौशन 94 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से 58 रन और सुरंगा लकमल 22 गेंदों पर एक चौके के सहारे सात रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

श्रीलंकाई पारी में ओपनर दिमुथ करूणारत्ने ने 32, धनंजय डी सिल्वा ने 28 और कप्तान दिनेश चांदीमल ने 30 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए मुस्ताफिजुर रहमान ने 35 रन पर तीन विकेट और तैजुल इस्लाम तथा मेहदी हसन ने दो-दो विकेट लिए।

इससे पहले बांग्लादेश ने अपने गुरुवार के स्कोर 56 रन पर अपने चार विकेट से आगे खेलना शुरू किया और उसकी पूरी टीम 45.4 ओवर में 110 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। मेजबान टीम ने अपने बाकी के छह विकेट 37 रन जोडकर गंवा दिये। मेहदी हसन ने 78 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से सर्वाधिक नाबाद 38 रन बनाए। श्रीलंका के लिए सुरंगा लकमल ने 25 रन पर तीन विकेट, अकिला धंनजय ने 20 रन पर तीन और दिलरूवान परेरा ने 32 रन पर दो विकेट हासिल किए।

आतिशी पारी के बाद सहवाग ने कहा, हथियार छोड़े हैं, चलाना नहीं भूले

स्विट्जरलैंड (एजेंसी)।

ओवैस शाह (नाबाद 74) की तूफानी पारी की मदद से सेंट मॉरिट्ज आईस क्रिकेट सीरीज के पहले मैच में शाहिद आफरीदी की कप्तानी वाली रॉयल्स ने वीरेन्द्र सहवाग की कप्तानी वाली पैलेस डॉयमंट टीम को छह विकेट से पराजित किया।

मैच के बाद सहवाग ने सोशल मीडया पर अपनी एक फोटो शेयर करते हुए लिखा कि इन हाथों ने हथियार छोड़े हैं, चलाना नहीं भूले'। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग की कप्तानी पारी के दम पर पैलेस डॉयमंट टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 164 रन बनाए।

जवाब में इंग्लैंड के ओवैश शाह की तूफानी पारी की बदौलत रॉयल्स ने 15.2 ओवर चार विकेट पर लक्ष्य हासिल किया। इससे पहले सहवाग ने अपने पुराने अंदाज में बल्ले के दम पर बर्फ को भी पिघला दिया।

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने केवल 31 गेंदों पर ही 62 रन की विस्फोटक पारी खेली। इस पारी के दौरान उन्होंने 4 चौके और 5 छक्के लगाए।

सहवाग की इस पारी पर ओवैश ने अपनी अर्धशतकीय पारी के माध्यम से पानी फेर दिया। शाह ने नाबाद 74 रन बनाए। रॉयल्स ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा मैच आज खेला जाएगा।

टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला का टाइटिल प्रायोजक होगा हीरो मोटोकोर्प

नयी दिल्ली। नयी दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी दुपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकोर्प लिमिटेड ने घोषणा की कि वह श्रीलंका में अगले महीने होने वाले टी20 त्रिकोणीय टूर्नामेंट का टाइटिल प्रायोजक होगा जिसे हीरो निदाहस ट्राफी नाम दिया गया है। श्रीलंका की स्वतंत्रता के 70 बरस के जश्न के मौके पर आयोजित हो रहा यह टूर्नामेंट छह से 18 मार्च तक होगा। टूर्नामेंट में भारत, बांग्लादेश और मेजबान श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेंगी। टूर्नामेंट कोलंबो के आर प्रेमदास स्टेडियम में खेला जाएगा और इसे हीरो निदाहस ट्राफी 2018 कहा जाएगा।

27वें अंतर्जिला पंचायत क्रिकेट टुर्नामेन्ट-18 का श्री गणेश

सूरत। सूरत जिला पंचायत को यजमान पद पर रखकर आयोजित 27वें स्व.बलवंतराय महेता अंतर्जिला पंचायत क्रिकेट टुर्नामेन्ट-2018 को गत रोज मंत्री ईश्वरभाई परमार के हाथों श्रीगणेश किया गया। राज्य की 30 जिला पंचायतों की क्रिकेट टीम इस टुर्नामेन्ट में भाग ले रही है। यह आयोजन कामरेज की रामकबीर कॉलेज परिसर में किया जा रहा है।

कीचड़ में फंसे डंम्फर में करंट लगने से एक ही परिवार के तीन जन की मौत

संवाददाता, सूरत। सोनगढ़ में कीचड़ में फंसे एक डंम्फर में अचानक करंट का प्रवाह आ जाने के कारण एक ही परिवार के तीन जन की मौत हो जाने से समग्र क्षेत्र में शोक छा गया है। बताया जाता है कि मृतकों में पिता-पुत्र भी हैं जो कीचड़ में फंसे डम्फर को निकालने का प्रयास कर रहे थे।प्राप्त जानकारी के अनुसार मेढ़ा गांव उपली फलिया के रहने वाले फिलीपभाई जयराम भाई गामित सोनगढ़ के मोहम्मद रमजान के डम्फर पर ड्राइवर के रूप में काम करते थे। शुक्रवार को सुबह 4 बजे ही फिलीपभाई डम्फर चालू करके ज्यों आगे बढ़ना चाहे तभी डम्फर कीचड़ में फंस गया। फिलीप डंम्म्फर को कीचड़ से निकालने के लिए उसके नीचे व्हील का सपोर्ट लगा रहे ते थे। तभी जयराम भाई भी वहां पहुंच गए। जहां पर डम्फर फंसा था उसके ऊपर से हाई वोल्टेज का तार गुजरा था। हाइड्रोलिक सिस्टम से जब ऊंचा करने लहगे तभी 11 हजार वोल्ट के तार के संपर्क में आ गए। जिससे पिता-पुत्र को जोरदार करंट का झटका लगा। उसी समय फिलीप की माता बीजनाबेन भी वहां पहुंच गई और दोनों को बचाने का प्रयास करने में वे भी करंट की चपेट में आ गई। जिससे करंट की चपेट में आ जाने से माता-पिता और पुत्र की स्थल पर ही मौत हो गई।

सरथाणा में ऑफिस के ड्रॉअर से 9.15 लाख की चोरी

संवाददाता, सूरत। सरथाणा वीटीएस नगर सर्कल जय चेम्बर्स की एक ऑफिस की खिड़की को चोरों ने तोड़कर अंदर प्रवेश किया और ड्रॉअर में रखे गए 9.15 लाख रुपए की चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोटा वराछा के गोपीनाथ सोसाइटी घर नं. ए-45 में रहने वाले अरविंदभाई सोजित्रा कंस्ट्रक्शन का काम करते हैं। अरविंद ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि सरथाणा वीटी नगर सर्कल के पास जय चेमबर की दूसरी मंजिल पर इनकी ऑफिस का गत रात चोरों ने खिड़की को तोड़ करके ऑफिस में प्रवेश किया और वहां ड्रॉअर में रखे गए 9,15,000 रुपए नकद की चोरी करके फरार हो गए। घटना के संदर्भ में सरथाणा पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है।

नर्मदा नदी के किनारे उपवास आंदोलन करने की संतों ने की तैयारी

संवाददाता, सूरत। नर्मदा माता की उत्पत्ति भगवान शिवजी से हुई है और नर्मदा नदी का धार्मिक महत्व अनोखा रहा है। भरूच और नर्मदा में नदी के किनारे 200 से अधिक देवालय और आश्रम स्थित हैं। इन सभी की महिमा अनोखी है। चार दशक पहले नदी कल-कल करके बहती थी तो आश्रमों और देवालयों में भीड़ जमती थी। डैम से पानी छोड़ना कम कर देने से नर्मदा माता सूख रही हैं और यहां पर स्नान करने आने वाले भक्तों की संख्या भी दिन-प्रति दिन कम होती जा रही है। नदी के किनारे मनाए जाने वाले त्यौहार भी फीके पड़ते जा रहे हैं। नर्मदा को जीवंत रखने योग्य पानी छोड़ने के लिए सरकार से संतों ने मांग की थी, जिसे न स्वीकारने से साधु-संत भी रोष में आ गए हैं।

गोरा आश्रम के ईश्वरदास महाराज ने बताया कि नर्मदा को सूखा रखने का कार्य सरकार कर रही है। नर्मदा जयंती को भी उत्तवाहिनी मां नर्मदा में पानी न होने से श्रद्धालुओं की भावना को काफी ठेस पहुंची है। दूसरी तरफ पानी के लिए किसान भी रो रहे हैं। यदि नर्मदा में पानी छोड़ा जाता है तो जलचर और अन्य जीव को जीवन दान मिल सकता है। लेकिन नदी में पानी के अभाव से नदी सूखती जा रही है। जिससे किसान, साधु-संत, भक्तों को तकलीफ हो रही है। आगामी दिनों में पानी न छोड़ा गया तो संतों में रोष की ज वाला जल उठेगी और वे नर्मदा के किनारे उपवास आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

भगवान भक्तों की पुकार पर नंगे पांव दौड़ जाते हैं : जितेंद्राचार्यजी

गजग्राह की मार्मिक कथा प्रसंग के दौरान भ्भावुक हुए श्रोता

संवाददाता

सूरत। पांडेसरा इलाके के श्री काशी विश्वनाथ धाम में आयोजित श्रीमद्भ्भागवत कथा के पांचवें दिन बीती व्यासपीठ से जितेंद्राचार्यजी महाराज ने अपनी मधुरवाणी से श्रोताओं को अमृतमयी श्रीमद्भ्भागवत कथा के दौरान गजग्राह की मार्मिक प्रसंग का रसपान कराया। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि भगवान सदैव अपने भक्तों की पुकार सुनते हैं। जब ग्राह ने गज को पानी में ख्खींचने लगा तो गज ने भ्भगवान को पुकारा और भ्भगवान ने उसकी पुकार सुनकर नंगे पांव पहुंचकर गज की रक्षा की। कथा के दौरान भ्भक्तों की आंख्खें नम हो गई। कथा के दौरान श्री काशी विश्वनाथ धाम मंदिर के महंत सर्वेशानंद महाराज, धरमराज सिंह, बच्चा सिंह, बंशू यादव, तीरथ चौबे, दिनेश दूबे, वासुदेवानंद महाराज, सुरेश दूबे महाराज, दिनेश दूबे महाराज, जगदम्बा तिवारी, बड़ेलाल, बब्बू तिवारी, प्रजापति समाज प्रमुख्ख रामू प्रजापति, महाबली दूबे, नत्थू सिंह, सुभ्बाष दूबे, शैलेन्द्र चौबे, विजय सिंह, संजय पांडेय, अजय पांडेय, मनोज उपाध्याय, अजय पांडेय, रमेश मौर्या, अमरबहादुर यादव, राजकुमार विश्वकर्मा, सुभ्बाष यादव, रेख्खा मौर्या, लता दूबे, सोनू पांडेय, राकेश भ्भाई सहित काफी तादाद में श्रोतागण मौजूद थे।

चौथी मंजिल से गिरे डिंडोली के मासूम की मौत

सूरत। डिंडोली के भेस्तान एसएमसी आवास में रहने वाले एक परिवार के मासूम बच्चे की चौथी मंजिल से गिरने के कारण सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोली के भेस्तान एएसएमसी आवास बिल्डिंग नं. ए-11, घर नं. 11 में रहने वाले वेदप्रकाश यादव का 6 वर्षीय बेटा पवन गुरुवार को चौथी मंजिल पर खेलते समय अचानक नीचे गिर गया। जिसको इलाज के लिए पिता वेदप्रकाश सिविल अस्पताल में भर्ती किए। जहां पर इलाज के दौरान मासूम पवन की शुक्रवार को मौत हो गई। घटना के बारे में डिंडोली पुलिस आकस्मिक दुर्घटना में मौत होने का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

कामरेज के निवासी क्षेत्र में देह व्यापार के अड्डे पर पुलिस का छापा

एक युवती और पांच ग्राहक पकड़ाए

संवाददाता, सूरत। सूरत शहर के छोर पर स्थित कामरेज के निवासीय क्षेत्र में चलने वाले देह व्यापार का धंधा वहां के जागृत लोगों की सतर्कता से पकड़ा गया। लोगों के रहने वाले विस्तार में देह व्यापार का अड्डा चलने से उनकी भावना को भी ठेस लगती है। परेशान होकर लोगों ने जहां पर देह व्यापार होता था, उसका कमरा बाहर से बंद करके पुलिस को बुलाया। पुलिस ने स्थल से एक युवती और पांच ग्राहक को गिरफ्तार करके उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। सूरत के कामरेज विस्तार मानसरोवर रेजिडेंसी के तीसरी मंजिल पर देह व्यापार का धंधा चल रहा था। जिसकी जानकारी बहुत पहले से लोगों को हो गई थी। लेकिन वे इस तरह के पचड़े में नहीं पड़ना चाहते थे। इस असामाजिक प्रवृत्ति से लोगों की भावनाओं को चोट लगती थी। जिससे परेशान होकर कुछ जागृत लोगों ने जहां पर देह व्यापार का धंधा चलता था उस कमरे को बाहर से बंद कर दिया। इसके बाद स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी दी।

पुलिस ने स्थल पर पहुंच कर देह व्यापार में लिप्त एक युवती और पांच ग्राहकों को गिरफ्फ्फ्तार करके कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

अलथाण की महिला के गले से चेन छीन भागे उचक्के

सूरत। शहर के अलथाण गार्डेन के पास हरिओम नगर जाने वाले मार्ग पर एक महिला के गले से बाइक पर सवार होकर आए एक उचक्के ने सोने की चेन झपटकर फरार हो गया। खटोदरा पुलिस में महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अलथाण नवनिर्माण स्कूल के पास हरिओम नगर सोसाइटी प्लाट नं. 2 में रहने वाले विपिनचंद्र सोनी की पत्नी शीलाबेन (58 वर्ष) गत रोज पैदल जा रही थी। उसी समय परषोत्तम नगर से हरिओम नगर जाने वाले रास्ते पर बाइक पर सवार होकर आया एक युवक आशाबेन के गले से 40 हजार रुपए कीमत की सोने की चेन झपटकर फरार हो गया। खटोदरा पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

सरकारी शालाओं को निजी स्कूलों से बराबरी करने योग्य बनाएंगे: मुख्यमंत्री

गांधीनगर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य में प्राथमिक- माध्यमिक सहित शिक्षा क्षेत्र की आमूल गुणवत्ता सुधारने की हिमायत की है। उन्होंने कहा कि संसाधन, वित्त आवंटन और मानवबल की सम्पूर्ण सजगता का उपयोग करके सरकारी शालाओं को भी निजी शालाओं, एस.एफ.आई. के साथ बराबरी करने योग्य बनाया जाएगा। सीएम रूपाणी ने राज्य के शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों और जिला शिक्षा अधिकारियों- जिला प्राथमिक शिक्षणाधिकारियों के एक दिवसीय चिंतन शिविर का आज समापन करवाया। उन्होंने इस अवसर पर मातृभाषा का महात्म्य पुन:स्थापित हो, इसके लिए आगामी शैक्षणिक सत्र से तमाम शालाओं में कक्षा 8 तक गुजराती विषय अनिवार्य करने का संकेत दिया। उन्होंने भविष्य के भारत के सुदृढ़ नागरिकों और सक्षम राष्ट्र के निर्माण की जिम्मेदारी जिनके कन्धों पर है, ऐसे शिक्षा विभाग द्वारा खुले मन से किए गए इस चिनतन शिविर को अभिनन्दनीय बतलाया। शिक्षा विकास की आधारभूत आवश्यकता है। जहां तक शिक्षा की गुणवत्ता और स्तर ऊपर नहीं जाएगा तब तक विकास अधूरा है। इसका उल्लेख करते हुए श्री रूपाणी ने कहा कि गुजरात में 100 फीसदी शाला नामांकन और शिक्षा गुणवत्ता सुधार के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। शिक्षक और अमलीकरण करने वाले अधिकारियों को इस कार्य में सरकार का सम्पूर्ण सहयोग रहेगा। शिक्षा के व्यवसाय को नोबल प्रोफेशन करार देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रति वर्ष करीब 25,000 करोड़ रुपए शिक्षा के लिए आवंटित करती है। गरीब, वंचित, शोषित और श्रमजीवी वर्ग मिलाकर कुल 80 लाख से ज यादा बालक 34 हजार शालाओं में शिक्षा प्राप्त करते हैं और 3 लाख से ज्यादा शिक्षक- कर्मचारी शिक्षा यज्ञ में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य को सच्ची दिशा और उचित मार्गदर्शन के साथ आगे बढ़ाकर शिक्षा में अव्वल बनाया जा सकता है। आज का युग ज्ञान, विज्ञान और टेक्नोलॉजी का युग है, इसका लाभ बालकों को किस तरह दिया जा सकता है, इस दिशा में शिक्षा जगत के साथ जुड़े इन अधिकारियों का मुख्यमंत्री ने गहन विचार- विमर्श के लिए आहवान किया। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड विजिट, शालाओं- क्लास में शिक्षा का स्थल मूल्यांकन, फीडबैक और शाला संचालन समिति के साथ फॉलोअप की ताकीद करते हुए कहा कि 'मेरा अपना है, और मुझे ही करना है' का कर्तव्यभाव गुजरात को अन्य मामलों की तरह ही शिक्षा क्षेत्र में भी दूसरे राज्यों के लिए रोल मॉडल बनाएगा।

कपड़ा मार्केट में मारबल व 60 ग्राम की मांग

संवाददाता, सूरत। कपड़ा मार्केट में मारबल व 60 ग्राम ग्रे-कपड़ा की मांग में तेजी है। कपड़ा मार्केट में ग्रे-कपड़ों की मार्केट में आपूर्ति बंद करने से ट्रांसपोर्टर व मजदूर के सामने रोजगार की समस्या उम्त्पन्न हो गई है। ट्रांसपोर्टर ने शहर पुलिस आयुक्त को पत्रक देकर कपड़ा मार्केट में ग्रे कपड़ा की आपूति करने के लिए छूट देने की मांग की है। शुक्रवार को कपड़ा मार्केट में ग्रे कपड़ों में मारबल व 60 ग्राम की मांग में बढ़ोतरी देखखे गई। मारबल व 60 ग्राम का भाव शुक्रवार को 15रूपये 75 पैसे रहा। बाकी ग्रे कपड़ों के भाव में आंशिक बढोतरी रही।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com